पाठ्यक्रम का विवरण

एम. ए. पूर्वार्द्ध

प्रश्नपत्र प्रथम	-	वैदिक साहित्य **(4641)**
द्वितीय	-	भारतीय दर्शन **(4642)**
तृतीय	-	लौकिक काव्य, नाटक एवं साहित्यशास्त्र **(4643)**
चतुर्थ	-	भाषा-विज्ञान एवं व्याकरण **(4644)**

एम. ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्नपत्र प्रथम	-	काव्य, संस्कृतमूलकसंस्कृति एवं निबंध **(5641)**

वर्ग (अ) (साहित्य)

द्वितीय	-	साहित्यशास्त्र **(5642-A)**
तृतीय	-	नाटक एवं नाट्यशास्त्र **(5643-A)**
चतुर्थ	-	काव्य (गद्य एवं पद्य) **(5644-A)**

वर्ग (ब) दर्शन

द्वितीय	-	वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन **(5642-B)**
तृतीय	-	सांख्य एवं योग दर्शन **(5643-B)**
चतुर्थ	-	न्याय एवं वैशेषिक दर्शन **(5644-B)**

*****

Helpstudentpoint.com

एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4641

प्रथम प्रश्न पत्र - वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. ऋग्वैदिक सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय मात्र)
3. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
4. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
5. संहिता पाठ से पद पाठ

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त सवितृ (**1.35**), रूद्र (**2.33**), मण्डूक (**7.103**), पुरुष (**1.90**), वरुण (**7.86**), कितव (**10.34**) नासदीय (**10.129**) तथा उषस् (**1.48**)

द्वितीय इकाई - बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय)

तृतीय इकाई - निरूक्त (यास्क) - (प्रथम अध्याय)

चतुर्थ इकाई - वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पंचम इकाई - संहिता पाठ से पद पाठ

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठ भाग) **20** अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

Helpstudentpoint.com

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नप्रकार से होगा -

(क) ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) बृहदारण्यक उपनिषद् के (तृतीय अध्याय) से एक अवतरण की सप्रसंग संस्कृत भाषा में व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) निरूक्त के (प्रथम अध्याय) से दो अंशों की सामान्य व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) वैदिक साहित्य पर आधारित सामान्य व परिचयात्मक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

(ङ.) पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार होंगे -

1. ऋग्वेद का रचनाकाल, ऋग्वेद के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूक्तों के देवताओं का स्वरूप एवं चरित्र-चित्रण, ऋग्वेद का धर्म और दर्शन तथा ऋग्वेद की भाषा की सामान्य विशेषताएँ। **15** अंक

2. द्वितीय प्रश्न - निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा - बृहदारण्यक उपनिषद् की विषयवस्तु, निरूक्त का सामान्य परिचय, वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय। **15** अंक

सहायक पुस्तकें -

1. ऋग्भाष्यसंग्रह - डी. आर. चानना

2. द न्यू वैदिक सेलेक्शन - एस. के. तैलंग एवं बी. बी. चैबे

Helpstudentpoint.com

3. वैदिक व्याकरण - ए. ए. मैक्डानल - अनु डा. सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग 1, 2 - डॉ. रामगोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति - पं. बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा - एस. एन. पाण्डेय एवं आर. बी. जोशी
7. वैदिक देवशास्त्र - ए. ए. मेक्डानल -अनु. डॉ. सूर्यकान्त
8. वैदिक साहित्य - रामगोविन्द त्रिवेदी
9. ए वैदिक रीडर फोर स्टूडेन्ट्स - ए. ए. मेक्डानल
10. लेक्चर्स ऑन द ऋग्वेद - घाटे
11. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर - विन्टरनित्स
12. पोइट फिलोसोफर्स आफ द ऋग्वेद - सी.के. राजा
13. सलेक्सन्स फ्राम द ब्राहमणाज् एण्ड उपनिषद्स - आर. सी. द्विवेदी
14. ऋग्वेदिक सियर्स - वी. जी. राहुरकर
15. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स - डायसन
16. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स - एस. राधाकृष्णन्
17. बृहदारण्यक उपनिषद् (शंकरभाष्यसहित) - गीता प्रेस, गोरखपुर
18. बृहदारण्यक उपनिषद् - आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पूना
19. बृहदारण्यक उपनिषद् - चैखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

*****

Helpstudentpoint.com

एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4642

द्वितीय प्रश्न पत्र - भारतीय दर्शन

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1.	तर्कभाषा	-	केशवमिश्रकृत
2.	सांख्यकारिका	-	ईश्वरकृष्णकृत
3.	वेदान्तसार	-	सदानन्दकृत

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - तर्कभाषा का प्रमाणलक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान विवेचन।

द्वितीय इकाई - तर्कभाषा का शब्द, अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रामाण्यवाद।

तृतीय इकाई - सांख्यकारिका की **1-35** कारिकाएँ

चतुर्थ इकाई - सांख्यकारिका की **36-72** कारिकाएँ

पंचम इकाई - वेदान्तसार संपूर्ण।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

Helpstudentpoint.com

(क) तर्कभाषा के प्रमाण लक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान खंडों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) तर्कभाषा के शब्द अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रमाण्यवाद प्रकरणों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) सांख्यकारिका **1-35** कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

(घ) सांख्यकारिका के **36-72** कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) वेदान्तसार में से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। **15** अंक

(**1**) तर्कभाषा में विवेचित विषय (अर्थात् प्रमाणलक्षण, त्रिविधकारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अभाव, प्रामाण्यवाद)

(**2**) सांख्यकारिका में निरूपित विविध विषयों का समालोचनात्मक शैली में व्याख्यान (अर्थात् त्रिविधप्रमाण, सांख्य की प्रकृति, पुरुष, गुणस्वरूप, प्रकृति-पुरुषसंबंध, पुरुष-बहुत्व, सत्कार्यवाद आदि)। **15** अंक

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे।

अनुबंधचतुष्टय, अधिकारी का लक्षण, अध्यारोप, अविद्या और उसके भेद, पंचीकरण, सृष्टिप्रक्रिया, अज्ञान का लक्षण एवं शक्तियाँ, आत्मा, तत्त्वमसि व अहं ब्रह्मास्मि महावाक्य, ईश्वर, अपवाद, जीवन्मुक्ति आदि।

सहायक पुस्तकें -

1. वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. बद्रीनाथ शुक्त
2. वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव
3. वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. राममूर्ति शर्मा
4. सांख्यकारिका - डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी

Helpstudentpoint.com

5. सांख्यकारिका - डॉ. गजानन मुसलगांवकर
6. सांख्यकारिका - व्याख्या शिवनारायण शास्त्री
7. तर्कभाषा - व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल
8. तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर
9. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन - डॉ. नन्दकिशोर देवराज
11. सांख्यसिद्धान्त - डॉ. उदयवीर शास्त्री
12. न्यायप्रमाणपरिक्रमा - डॉ. अभेदानन्द

*****

Helpstudentpoint.com

एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4643

तृतीय प्रश्न पत्र: काव्य, नाटक एवं साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम **पूर्णांक: 100 अंक**

1.	मेघदूत	-	कालिदास
2.	मुद्राराक्षस	-	विशाखदत्त
3.	साहित्यदर्पण	-	विश्वनाथ

प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (**1-29** कारिकापर्यन्त)

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	मेघदूत (कालिदासकृत)
द्वितीय इकाई	-	मुद्राराक्षस नाटक (विशाखदत्तकृत)
तृतीय इकाई	-	साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) इसके प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (**1-29** कारिका पर्यंत)
चतुर्थ इकाई -	-	ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) (आनन्दवर्धनकृत)
पंचम इकाई -	-	नाट्यशास्त्र (भरतमुनिकृत) अध्याय प्रथम तथा द्वितीय

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान भाव से पूछे जाएँगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

Helpstudentpoint.com

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) मेघदूत के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी । **10** अंक

(ख) मुद्राराक्षस के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) साहित्यदर्पण के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेदों (**1-29** कारिका)में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत से किसी एक कारिका की संस्कृत भाषा के माध्यम से व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ड.) नाट्यशास्त्र के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय की कारिकाओं में से किसी एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। **15** अंक

(**1**)कालिदास की काव्य-कला की विशेषताएँ, मेघदूत का मार्ग, 'मेघदूत एक गीतिकाव्य है' इस कथन की पुष्टि, मेघदूत का प्रकृति सौन्दर्य।

(**2**) मुद्राराक्षस की नाट्यकला की दृष्टि से समालोचना, मुद्राराक्षस के मुख्य पात्रों का चरित्र-चित्रण, विशाखादत्त की नाटककार की दृष्टि से समालोचना।

द्वितीय प्रश्न - निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा। **15** अंक

(**1**) साहित्यदर्पण के निर्धारित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु।

(**2**) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत के आधार पर ध्वनि की परिभाषा, विपक्षी मतों का खंडन, ध्वनि के पक्ष में युक्तियाँ-उदाहरण।

(**3**) नाट्यशास्त्र में विवेचित नाट्योत्पत्ति-विषयक विवेचना, पारिभाषिक शब्द विवेचन।

Helpstudypoint.com

सहायक पुस्तकें -

1. संस्कृत के संदेशकाव्य - रामकुमार आचार्य
2. संस्कृतकविदर्शन - भोलाशंकर व्यास
3. महाकविकालिदास - रमाशंकर तिवारी
4. मेघदूत-एक अध्ययन - वासुदेवशरण अग्रवाल
5. मेघदूत (सम्पा.) - एम.आर. काले
6. साहित्यदर्पण (सम्पादक) - पी.वी. काणे
7. साहित्य दर्पण (विमला टीका) - शालिग्राम शास्त्री
8. काव्यशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे, अनु. इन्द्रचन्द्र शास्त्री
9. अलंकारमीमांसा - डॉ. उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन - डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी

******

Helpstudentpoint.com

एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4644

चतुर्थ प्रश्न पत्र: भाषाविज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. भाषाविज्ञान (इसके अन्तर्गत कुछ चुने हुए विषय)
2. कारकप्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी का)
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरण-शैषिक पर्यन्त) तथा समास प्रकरण।
4. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में) ।

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - भाषा विज्ञान

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है -

भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषयवस्तु एवं विभिन्न पद्धतियाँ, भाषा की परिभाषा, भाषा का स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएँ, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण-(आकृतिमूलक एवं आनुवंशिक), आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा अपभ्रंश के विशेष संदर्भ में), पाली, प्राकृत एवं संस्कृत भाषा की उत्पत्ति।

द्वितीय इकाई - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी से)

तृतीय इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी का तद्धित प्रकरण शैषिक पर्यन्त।

चतुर्थ इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण।

पंचम इकाई - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण -

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

Helpstudentpoint.com

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित है।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

(ख) कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) से चार सूत्र अथवा वार्त्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी-शैषिक भाग पर्यन्त) चार शब्द देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) से किन्ही चार समस्त-पदों को देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) हिन्दी भाषा में विकल्पसहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिए दिया जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

प्रथम खंड के अन्तर्गत उपर्युक्त भाषाविज्ञान के विषय होंगे। **15** अंक

द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यवस्था है - **15** अंक

(1) कारकसूत्रों अथवा वार्त्तिकों की व्याख्या कोई चार देकर दो की।

(2) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई चार देकर दो की ।

सहायक पुस्तकें -

1. भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा

2. भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी

3. भाषाविज्ञान - मंगलदेव शास्त्री

Helpstudentpoint.com

4. आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका - डॉ. मोतीलाल गुप्त एवं रघुवीर प्रसाद भटनागर (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन - भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय - डॉ. देवीदत्त शर्मा
7. कारकप्रकरण - व्याख्या श्रीधरानन्द शास्त्री
8. लघुसिद्धान्त कौमुदी - व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
9. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
10. बृहदनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
11. अनुवादकला - चारुदेव शास्त्री
12. संस्कृतव्याकरण - कपिलदेव द्विवेदी
13. भाषाविज्ञानस्य रूपरेखा - पं. गिरिधरलाल शास्त्री
14. सिद्धान्तकौमुदी - द्वितीय भाग - पं. बालकृष्ण व्यास
15. कारकप्रबोध - डॉ. हेमलता बोलिया

*****

Helpstudentpoint.com